

कृत्रिम वनस्पति

कृत्रिम रेशों दो प्रकार के होते हैं

(i) मानवकृत रेशें

(ii) रासायनिक रेशें

मानवकृत रेशा

रेशा - रेशा वह मानव-निर्मित वस्तु है जिसमें कच्ची स्यामवरी के रूप में प्राकृतिक संयोजन युक्त पदार्थों का प्रयोग किया जाता है

रेशा की विशेषताएँ =

(i) रेशा एक संयोजन प्रधान रेशा है

(ii) रेशा का रेशा अधिक मजबूत नहीं होता है पर यह अपनी मजबूती खा देता है।

(iii) रेशा के वस्त्र धीरे पानी सोखते हैं

(iv) रेशा रेशा, क्षार को सहन नहीं कर पाता है।

(v) रेशा के वस्त्र धूप में अधिक

रथान की विशेषताएँ = >

- (i) रथान एक संव्यवस्थित प्रधान रेशम है।
- (ii) रथान का रेशा अधिक मजबूत नहीं होता है। पर यह अपनी मजबूती का देता है।
- (iii) रथान के वस्त्र पर पानी सोखता है।
- (iv) रथान रेशम, क्षार को सहन नहीं कर पाता है।
- (v) रथान के वस्त्र धूप में अधिक

समय तक रहने से नहीं हो
जाता है।

रथान के केशों को देर तक रथान
से इसकी आकृति खराब हो जाती है।

रथान एक मानवकृत रेशा है।